आरती लेकर खड़ा हुआ दरबार तेरे भोले बाबा

आरती लेकर खड़ा हुआ,
दरबार तेरे भोले बाबा,
मुझ गरीब की आरती,
स्वीकारो भोले बाबा।bd।

धन होता तो धन लेकर,
दरबार आपके आता,
स्वर होता तो प्रेम सहित,
गुणगान आपके गाता,
सेवा करने से हर प्रकार,
लाचार भोले बाबा,
मुझ गरीब की आरती,
स्वीकारो भोले बाबा।bd।

नहीं मागता धन और दौलत,
ना कोई भी माया,
आ जाऔ इस मन मन्दिर में,
हीन भाव से आया,
मन मंदिर में दर्शन दे कर,
उपकार भोले बाबा,
मुझ गरीब की आरती,
स्वीकारो भोले बाबा।bd।

जप तप पूजा पाठ प्रभुजी,
मैं कुछ भी ना जानू,
दास भक्त का निर्मल रिस्ता,
बस इतना ही मानू,
भक्त समझ कर सबका,
कर उद्धार भोले बाबा,
मुझ गरीब की आरती,
स्वीकारो भोले बाबा।bd।

धूप दीप नैवेद्य आरती,
भोग भाव से लाया,
भक्ति देकर निर्मल कर दो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ये पापी काया,
अपने भक्तों को हर दम,
देना प्यार भोले बाबा,
मुझ गरीब की आरती,
स्वीकारो भोले बाबा।bd।

आरती लेकर खड़ा हुआ,
दरबार तेरे भोले बाबा,
मुझ गरीब की आरती,
स्वीकारो भोले बाबा।bd।

स्वर – सुरेश अवस्थी जी।
प्रेषक – बृजभूषण मिश्र।
9838790165

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com